हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, रविवार 12 जुलाई 2026

13 समय पर वेतन नहीं मिलने पर पीडब्ल्यूडी कर्मियों...

14 नई अनाज मंडी में मूलभूत सुविधाओं की कमी पर ...

स्वास्थ्य मंत्री ने किया नवनिर्मित फिजियोथैरेपी सेंटर का लोकार्पण

भिवानी को बड़ी सौगात : 17 को दो नए मेडिकल कॉलेजों का ऐलान

चिकित्सा सुविधाओं में किया जा रहा है निरंतर विस्तार: स्वास्थ्य मंत्री

नागरिकों को बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने के लिए सरकार व स्वास्थ्य विभाग प्रतिबद्ध: आरती सिंह राव

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। हरियाणा योग प्राकृतिक चिकित्सालय परिसर में नवनिर्मित फिजियोथैरेपी सेंटर का लोकार्पण करते हुए। फोटो : हरिभूमि

भिवानी। मंचासीन मंत्री व विधायक। फोटो : हरिभूमि

प्रदेश की स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान तथा आयुष विभाग की मंत्री आरती सिंह राव ने रविवार को भिवानी में महम रोड पर स्थित जगन्नाथ सर्राफ वेलनेस सेंटर एवं हरियाणा योग प्राकृतिक चिकित्सालय परिसर में नवनिर्मित फिजियोथैरेपी सेंटर का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रदेश में चिकित्सा सुविधाओं में निरंतर विस्तार किया जा रहा है। आने वाले समय में प्रदेश को और अधिक बेहतरीन चिकित्सा सुविधाएं मिलेंगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 जुलाई को जींद से भिवानी और महेंद्रगढ़ जिला के कोरियावास को नए मेडिकल कॉलेज की सौगात देंगे, जो स्वास्थ्य सेवाओं में मील का पत्थर साबित होंगे। इस दौरान कार्यक्रम के संयोजक सुरेंद्र टीटू के अलावा शहर की दर्जनभर से अधिक विभिन्न प्रमुख सामाजिक संस्थाओं द्वारा स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव का पगड़ी पहनाकर, शॉल ओढाकर व स्मृति चिन्ह भेंटकर जोरदार स्वागत किया गया। कार्यक्रम में भिवानी के विधायक घनश्याम सर्राफ, बवानी खेड़ा के विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि, हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष शंकर लाल धूपड़, चौ. बंसीलाल विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. दीप्ति धर्माणी, भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक, सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह के सुपुत्र मोहित चौधरी, महिला आयोग की उपाध्यक्ष मीना परमार और प्रमुख समाजसेवी बृजलाल सराफ मौजूद रहे।

सुबह जल्दी उठना स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद: विधायक घनश्याम सर्राफ ने नेचुरोपैथी को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सुबह जल्दी उठना स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद है। वहीं उन्होंने बृजलाल सर्राफ द्वारा उनके पिता जगन्नाथ सर्राफ के नाम से शुरू किए गए वेलनेस सेंटर और फिजियोथेरेपी सेंटर की सराहना की।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में समाज सेवी रामदेव तायल, डीएसपी अनूप कुमार, सिविल सर्जन डॉ. रघुबीर शांडिल्य, भूपेंद्र धर्माणी, दीपक बंसल, डॉ. संजय वैद, माया यादव, सुनीता गुप्ता, नीटू लाखोटिया, सत्यनाराण मित्तल, प्रदीप प्रजापत, डॉ. विनोद अंचल, पवन गोयल, प्रमख समाजसेवी विनोद मिर्ग के अलावा शहर के अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

30 से 40 साल पहले के खानपान और संस्कृति को अपनाना होगा

बवानीखेड़ा के विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने कहा कि हमें 30 से 40 साल पहले के खानपान और संस्कृति को अपनाना होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो स्वदेशी अपनाने का आह्वान किया है, वह हमारे स्वस्थ रहने का प्रमुख माध्यम है। हमें घरों में आसानी से मिलने वाली देसी खान-पान की चीजों को अपनाना होगा।

हरियाणा महिला आयोग की उपाध्यक्ष मीना परमार ने कहा कि प्रदेश सरकार विशेष कर महिलाओं की चिकित्सा और उनके अधिकारों की तरफ ध्यान दे रही है। प्रकृति के साथ जुड़कर ही हम स्वस्थ रह सकते हैं। हमें पर्यावरण की गोद में रहकर बीमारियों से बचाव करना है। भाजपा के जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक ने कहा कि सही खान-पान के साथ साथ-साथ हमारी सकारात्मक सोच भी जरूरी है। हमें द्वेष-ईर्ष्या भावना नहीं रखनी चाहिए। नकारात्मकता बीमारियों का आमंत्रित करती है। सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह के सुपुत्र मोहित चौधरी ने स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव द्वारा प्रदेशभर में बेहतरीन चिकित्सा महिया करवाए जाने पर उनका आभार प्रकट किया। कार्यक्रम संचालन प्रो. हरिकेष पंघाल ने किया।

बीरण से मेरे परिवार का तीन पीढ़ियों से गहरा नाता: आरती

■ स्वास्थ्य मंत्री ने गांव बीरण में सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ तोशाम

प्रदेश की स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान तथा आयुष मंत्री आरती सिंह राव ने कहा है कि गांव बीरण से उनके परिवार का तीन पीढ़ियों से नाता है। ग्रामीणों द्वारा किया गया भव्य स्वागत और मान सम्मान हमेशा याद रहेगा। स्वास्थ्य मंत्री शनिवार को गांव बीरण में सेवानिवृत्त मुख्याध्यापक प्रदीप यादव के आवास पर ग्रामीणों को सम्बोधित कर रहे थीं।

इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और उनके समाधान के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कार्यक्रम में बवानी खेड़ा के विधायक कपूर सिंह वाल्मीकी, पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह, भाजपा जिला प्रधान वीरेंद्र कौशिक उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य मंत्री ने कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और अधिकारियों को उनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए। जिला हिसार से गांव कंवारी की पंचायत भी इस मौके पर पहुंची और गांव में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर अपनी मांग रखी। गांव मिलकपुर के ग्रामीण भी स्वास्थ्य मंत्री से मिले। गांव बीरण व आसपास के विभिन्न लोगों द्वारा समस्याएं रखी गई। स्वास्थ्य मंत्री ने समस्याओं को सुनकर अधिकारियों को उनके समाधान के निर्देश दिए। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार और लोगों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में आगे बढ़ रही है। इस अवसर पर विनोद चावला, मंडल अध्यक्ष जगत कौशिक, आंनद भट्टेवाला, पूर्व मुख्याध्यापक भूप सिंह यादव, दांग खुर्द सरपंच बिल्लू, सूबेदार अजीत सिंह दिनोद, पूर्व हेडमास्टर मन्दरूप सिंह, रवि यादव बीरण, नरेश यादव ढाणी बीरण, अक्षय प्रजापति बीरण, बिजेन्द्र यादव, औम प्रकाश सैनी बीरण, सुमेर सैनी सचिव मंडल, इमरान बापोड़ा जिला कार्यकारिणी सदस्य, प्रो. सतबीर यादव सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

ओपीडी बहाल करने को लेकर मंत्री को सौंपा ज्ञापन

भिवानी। युवा कल्याण संगठन के संरक्षक एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमल प्रधान के नेतृत्व में शनिवार को स्वास्थ्य मंत्री आरती राव को पंडित नेकीराम शर्मा राजकीय मेडिकल कॉलेज, भिवानी में लंबित स्वास्थ्य सुविधाएं जल्द शुरू करने और चौधरी बंसीलाल सामान्य अस्पताल की ओपीडी सेवाएं पुनः बहाल करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में कमल प्रधान ने मेडिकल कॉलेज का आधुनिक ऑपरेशन थिएटर पूर्ण रूप से चालू करने, अल्ट्रासाउंड सुविधा नियमित

रूप से शुरू करने, सभी आवश्यक लैब जांच सेवाएं उपलब्ध कराने तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ और आवश्यक चिकित्सा उपकरणों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग उठाई। साथ ही चौधरी बंसीलाल सामान्य अस्पताल में पहले की तरह ओपीडी सेवाएं बहाल करने पर भी जोर दिया। कमल प्रधान ने कहा कि मेडिकल कॉलेज बनने के बावजूद कई महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं अभी तक पूरी क्षमता से शुरू नहीं हो सकी हैं, जिससे गरीब, किसान, मजदूर और ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

33 केवी सब स्टेशन में मेंटेनेंस के चलते दो घंटे बिजली बाधित रहेगी

बवानीखेड़ा। कस्बे के 33 केवी सब स्टेशन में रविवार सुबह 8 बजे से लेकर 10 बजे तक मेंटेनेंस कार्य के चलते बिजली बाधित रहेगी। जानकारी देते हुए सब स्टेशन इंचार्ज एसएसए राजेंद्र दहिया ने बताया कि रविवार सुबह 8 बजे से लेकर 10 बजे तक सब स्टेशन में मेंटेनेंस का कार्य किया जाएगा।

यहां सप्लाई रहेगी बंद

मेंटेनेंस कार्य के चलते सब स्टेशन से निकलने वाली 11केवी लाइन जिसमें बवानी खेड़ा अर्बन, जाटू लुहारी जगमग, पुर व तालू डीएस फीडर, तालु ऐपी, मंडाणा ऐपी तथा सुमरा खेड़ा गांव की सप्लाई सुबह 8 बजे से 10 बजे तक बंद रहेगी।

सर्व कर्मचारी संघ ने प्रदर्शन को लेकर बनाई रणनीति

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

सर्व कर्मचारी संघ की जिला स्तरीय बैठक का आयोजन स्थानीय कार्यालय में किया गया। अध्यक्षता जिला प्रधान यशपाल सांगवान पैंतावास कलां द्वारा की गई। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि राज्य उपप्रधान एवं रोडवेज राज्य प्रधान नरेंद्र दिनोद ने सहभागिता की। संचालन सचिव रामपाल रामबास ने करवाया।

बैठक के दौरान कई विषयों पर चर्चा की गई। मुख्य रूप से आगामी 30 जुलाई को जिला मुख्यालय पर अपनी मांगों को लेकर किए जाने वाले प्रदर्शन को सफल बनाने की रणनीति बनाई गई। प्रदर्शन के जरिए कच्चे कर्मियों को पक्का करना, हाई कोर्ट के फैसले को तुरंत लागू करवाने, पुरानी पेंशन बहाल करने सहित अन्य मांगों को उठाया जाएगा। इसके अलावा बैठक में आगामी 18 जुलाई को कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा के निवास स्थान पर किए जाने वाले राज्य स्तरीय घेराव को सफल बनाने व दादरी जिसे से अधिक से अधिक कर्मियों को इसमें अवश्य ही सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया। इस दौरान राजकुमार घिकाड़ा, देवेंद्र भागवी, कर्मबीर, सतबीर सरोहा, सुनील रोडवेज, कृष्ण शास्त्री, सतेंद्र सांगवान, नरेंद्र शर्मा, रविंद्र कुमार, सन्नी आदि मौजूद रहे।

सीआईए ने अवैध देशी पिस्तौल के साथ युवक किया गिरफ्तार

चरखी दादरी। दादरी सीआईए स्टाफ ने एक युवक को अवैध देशी पिस्तौल के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता योगेश कुमार ने बताया कि शनिवार को सीआईए स्टाफ की टीम हेड कांस्टेबल अमित, हेड कांस्टेबल संदीप, एसपीओ सतबीर स्थानीय महेंद्रगढ़ चौक के समीप गश्त कर रहे थे।

उसी दौरान टीम को सूचना मिली कि एक युवक महेंद्रगढ़ रोड स्थित शराब ठेके के पास अवैध हथियार लेकर खड़ा है और कहीं जाने की फिराक में है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस को देखकर युवक युवक भागने का प्रयास करने लगा, जिसे पुलिस ने उसे काबू कर लिया।

आरोपित रोहतक जिले के गांव सीसर का

पूछताछ में युवक की पहचान रोहतक जिले के गांव सीसर खास निवासी रोहित के रूप में हुई। नियमानुसार तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक अवैध देशी पिस्तौल बरामद हुई। दादरी सिटी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

GANGA INSTITUTE OF TECHNOLOGY AND MANAGEMENT
AN AUTONOMOUS INSTITUTE
GRADED 'A' BY NAAC | NBA ACCREDITED PROGRAMS
Approved by AICTE | Affiliated to MDU, Rohtak | Recognized u/s 2(f) of UGC Act, 1956
JHAJJAR (DELHI-NCR)
NAAC A GRADE
B.TECH ME, ECE and MBA
RANKED #16 In North India
RANKED #38 Pvt. Institutes in India
RANKED #39 Across India
RANKED #46 Placement Across India
Industry Oriented Curriculum
Degree Conferred by MDU, Rohtak
Times Engineering Institute Ranking Survey-2026
ADMISSIONS OPEN 2026-27
B.TECH B.TECH (LEET)
Fire Technology and Safety
CSE, CSE (AI & ML), CSE (DS)
ECE, Electrical
Civil, Mechanical
OTHER UG & PG COURSES
M.TECH | MBA | BBA | MCA
BCA | M.ARCH | B.ARCH
M.PLAN | M.ED | B.ED
COURSES FOR WORKING PROFESSIONALS (in Flexible Timings)
B.TECH
Fire Tech. & Safety / CSE/ Electrical/ Civil
M.TECH
CSE/ Structural Design
MBA | MCA
Ganga Centre for Skill and Entrepreneurship Development
(An Industry inside the Institute)
Technology Providers
SCHOLARSHIP TEST
GITAM SCHOLARSHIP -CUM- ADMISSION TEST
19th July, 2026 | 11:00 am Onwards
FREE REGISTRATION FOR TEST
GANGA GROUP OF INSTITUTIONS
Approved by AICTE/UGC/NCTE/COA/MDU
GANGA INSTITUTE OF ARCHITECTURE & TOWN PLANNING (GIATP)
9654292905 / 9015115120 | www.architectureganga.com
GANGA INSTITUTE OF EDUCATION (GIE)
8684000916 | www.gangainstituteofeducation.com
For Admission Enquiry: 8684000891 / 892 / 893 / 9654292946 | www.gangainstitute.com
Head Office: 4/12, East Punjabi Bagh, New Delhi | +91-9654292902, 03, 04

हरिभूमि एवं जनता TV
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
हरियाणवी म्यूज़िक अवार्ड 2026
हरियाणवी संगीत का गौरव
हरियाणवी संस्कृति, हमारी पहचान
1 अगस्त 2026 शनिवार
जीवीएम गर्ल्स कॉलेज, मुरथल रोड, सोनीपत (हरियाणा)
नॉमिनेशन का आज अंतिम दिन
Category
Haryanvi Rapper of the Year (Male & Female)
Haryanvi Ragni Singer of the Year (Ghada-Bhenjo) (Male & Female)
Haryanvi Ragni Singer of the Year (Pakka Saaz) (Male & Female)
Haryanvi Desi Pop Singer of the Year (Male & Female)
Haryanvi Devotional Singer of the Year (Male & Female)
Haryanvi Lyricist of the Year
Haryanvi Music Composer of the Year
Haryanvi Master/Mixer of the Year
Haryanvi Most Melodious Song of the Year
Only for songs released from 1 January 2025 to 31 December 2025
नॉमिनेशन के लिए क्यूआर कोड को स्कैन करें
or visit our website at : www.haribhoomi.com
Last Date : 12 July 2026
नॉमिनेशन के लिए पात्रता
केवल हरियाणवी बोली में जारी किए गए गीत ही नामांकन हेतु मान्य होंगे।
गीत/संगीत कृति का आधिकारिक रिलीज वर्ष 2025 (1 जनवरी 2025 से 31 दिसंबर 2025) के बीच होना अनिवार्य है।
नामांकन संबंधित श्रेणियों के अनुसार गायक/गायिका, रैपर, गीतकार, संगीतकार, म्यूजिक मिक्सर एवं अन्य पात्र कलाकारों द्वारा किया जा सकता है।
अगर आप एक से ज्यादा कैटेगरी के लिए खुद को नॉमिनेट करना चाहते हैं, तो आपको हर कैटेगरी के लिए अलग-अलग नॉमिनेशन फॉर्म भरना होगा।
नॉमिनेशन फॉर्म केवल नॉमिनी या उनके अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा ही भरा जा सकता है।
कृपया सभी जानकारी सही एवं पूर्ण रूप से भरें। आयोजन समिति आवश्यक होने पर सभी प्रविष्टियों एवं दस्तावेजों का सत्यापन करने का अधिकार सुरक्षित रखती है। अपूर्ण अथवा गलत जानकारी वाले आवेदन निरस्त किए जा सकते हैं।
सभी नॉमिनेशन का मूल्यांकन निर्णायक मंडल द्वारा किया जाएगा, जिसका निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होगा।
किसी भी कैटेगिरी में पांच से कम प्रतिभागी/नॉमिनी रहने पर उस कैटेगिरी को रद्द कर दिया जाएगा।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें 7404443155 advthbtv@gmail.com

■ निवेशकों के साथ उद्योग की भी पहली पसंद बन रही चांदी

चांदी का बाजार अक्सर निवेशकों को चौंका रहा, बनाए रखें नजर

निवेशकों को सोने में 2 से 3 प्रतिशत तो चांदी में 5 से 8 प्रतिशत का लाभ

सोना, रुपया, क्रिप्टो व कॉपर तय कर रहे हैं चांदी की चाल

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

इसे वैश्विक अर्थव्यवस्था का बैरोमीटर भी कहा जाता है। जब उद्योगों में उत्पादन बढ़ता है तो कॉपर की मांग बढ़ जाती है। चूंकि चांदी का उपयोग भी इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर पैनल, बैटरी, मेडिकल उपकरण, इलेक्ट्रिक वाहन और कई आधुनिक तकनीकों में होता है, इसलिए कॉपर की तेजी कई बार चांदी की मांग बढ़ने का संकेत भी देती है। यही वजह है कि निवेशक कॉपर की कीमतों पर भी नजर रखते हैं।

चांदी को अक्सर सोने का विकल्प माना जाता है, लेकिन इसकी कीमत तय होने का तरीका सोने से कहीं अधिक जटिल है। यही कारण है कि कई बार जब सोना मामूली बढ़ता या घटता है, तब चांदी में कहीं अधिक तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है। इसके पीछे सिर्फ मांग और आपूर्ति नहीं, बल्कि सोने की कीमत, डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिति, बिटकॉइन जैसे डिजिटल निवेश, कॉपर की चाल और वैश्विक आर्थिक घटनाक्रम भी जिम्मेदार होते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि चांदी एक ऐसी धातु है, जिसका इस्तेमाल निवेश के साथ-साथ उद्योगों में भी बड़े पैमाने पर होता है। इसलिए इसकी कीमत पर कई तरह के कारकों का एक साथ असर पड़ता है। यही वजह है कि चांदी का बाजार अक्सर निवेशकों को चौंका देता है।

सोना बढ़े तो चांदी क्यों दौड़ने लगती है?

सोना और चांदी दोनों को सुरक्षित निवेश का माध्यम माना जाता है। जब दुनिया में आर्थिक अनिश्चितता, महंगाई, युद्ध या वित्तीय संकट जैसे हालात बनते हैं, तब निवेशक सोने और चांदी में निवेश बढ़ा देते हैं। ऐसे समय में दोनों धातुओं की कीमतों में तेजी देखने को मिलती है। हालांकि, चांदी का बाजार सोने की तुलना में छोटा है। यही कारण है कि निवेश का थोड़ा-सा अतिरिक्त प्रवाह भी इसकी कीमतों में बड़ा बदलाव ला सकता है। कई बार सोने में 2 से 3 प्रतिशत की तेजी के मुकाबले चांदी 5 से 8 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। इसी वजह से चांदी को अधिक उतार-चढ़ाव वाली कीमती धातु माना जाता है।

रुपये की मजबूती और कमजोरी का सीधा असर

भारत अपनी जरूरत का अधिकांश चांदी विदेशों से आयात करता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों के साथ-साथ डॉलर और रुपये की विनिमय दर भी घरेलू बाजार में अहम भूमिका निभाती है। यदि डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर होता है तो आयात महंगा हो जाता है। इससे भारतीय बाजार में चांदी की कीमत बढ़ जाती है, भले ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत स्थिर हो। वहीं, रुपया मजबूत होने पर आयात लागत कम हो सकती है और कीमतों में कुछ राहत मिल सकती है। यही कारण है कि विदेशी मुद्रा बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव पर चांदी के कारोबारी और निवेशक लगातार नजर बनाए रखते हैं।

बिटकॉइन का बढ़ता प्रभाव

डिजिटल युग में बिटकॉइन और अन्य क्रिप्टोकरेंसी भी निवेश की दुनिया का बड़ा हिस्सा बन चुके हैं। पिछले कुछ वर्षों में यह देखा गया है कि कई निवेशक अपने पोर्टफोलियो में सोना, चांदी और बिटकॉइन को वैकल्पिक निवेश के रूप में रखते हैं। जब क्रिप्टो बाजार में तेजी आती है तो कुछ निवेशक कीमती धातुओं से पैसा निकालकर बिटकॉइन में लगाते हैं। इसके विपरीत, जब बिटकॉइन में तेज गिरावट आती है या जोखिम बढ़ता है, तब निवेशक सुरक्षित विकल्प के तौर पर फिर से सोना और चांदी की ओर लौटते हैं। यही बदलाव चांदी की कीमतों में भी दिखाई देता है। कॉपर यानी तांबा दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण औद्योगिक धातुओं में शामिल है।

ग्रीन एनर्जी ने बढ़ाई उम्मीदें

दुनिया तेजी से स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ रही है। सोलर पैनलों के निर्माण में चांदी का महत्वपूर्ण उपयोग होता है। इसके अलावा इलेक्ट्रिक वाहनों, स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और नई ऊर्जा तकनीकों में भी इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में यदि ग्रीन एनर्जी परियोजनाओं का विस्तार इसी गति से जारी रहा तो चांदी की औद्योगिक मांग और मजबूत होगी। इससे इसकी कीमतों को दीर्घकाल में समर्थन मिल सकता है।

वैश्विक घटनाओं से भी बदलती है दिशा

चांदी की कीमत केवल घरेलू कारणों से तय नहीं होती। अमेरिकी केंद्रीय बैंक की ब्याज दरें, डॉलर इंडेक्स, महंगाई के आंकड़े, कच्चे तेल की कीमतें और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक तनाव भी इसकी चाल बदल सकते हैं।
यदि ब्याज दरें घटने की संभावना बनती है तो निवेशक कीमती धातुओं की ओर आकर्षित होते हैं। वहीं, डॉलर मजबूत होने पर अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी पर दबाव आ सकता है। इसी तरह युद्ध, व्यापारिक विवाद या वैश्विक आर्थिक मंदी जैसी घटनाएं भी निवेशकों की रणनीति बदल देती हैं।

निवेशकों के लिए सीख?

विशेषज्ञों का कहना है कि चांदी में निवेश केवल कीमत देखकर नहीं करना चाहिए। निवेश से पहले यह समझना जरूरी है कि बाजार में तेजी या गिरावट की वजह क्या है। यदि तेजी केवल किसी अस्थायी घटना के कारण है तो निवेश में सावधानी बरतनी चाहिए।

लंबी अवधि के निवेशकों के लिए चरणबद्ध निवेश (एसआईपी या नियमित अंतराल पर खरीद) अपेक्षाकृत सुरक्षित रणनीति मानी जाती है। इससे बाजार में अचानक आने वाले उतार-चढ़ाव का असर कम हो सकता है। चांदी की कीमतों में बार-बार होने वाले बदलाव के पीछे केवल एक कारण नहीं होता। सोने की चाल, रुपये की स्थिति, बिटकॉइन में निवेशकों का रुझान, कॉपर की मांग, औद्योगिक उपयोग और वैश्विक आर्थिक घटनाएं मिलकर इसकी दिशा तय करती हैं। यही वजह है कि चांदी कभी तेज रफ्तार से चमकती है तो कभी अचानक फिसल जाती है। आने वाले समय में ग्रीन एनर्जी, इलेक्ट्रिक वाहनों और आधुनिक तकनीक में बढ़ते उपयोग के कारण चांदी की मांग मजबूत रहने की संभावना है। हालांकि, निवेशकों को इसकी अस्थिर प्रकृति को समझते हुए सोच-समझकर और संतुलित रणनीति के साथ निवेश करना चाहिए।

मुश्किल वक्त की ढाल है सोना, ऐसे कर सकते हैं पैसों का इंतजाम

जानकारी
बिजनेस डेस्क

वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि गोल्ड लोन केवल जरूरत पड़ने पर ही लेना चाहिए। रोजमर्रा के खर्च, गैर-जरूरी खरीदारी या विलासिता की वस्तुओं के लिए आभूषण गिरवी रखना उचित नहीं माना जाता। यह विकल्प उन परिस्थितियों के लिए बेहतर है, जहां अचानक धन की जरूरत हो और उसके बदले कोई सस्ता व तेज विकल्प उपलब्ध न हो।

भारतीय परिवारों में सोना केवल आभूषण नहीं, बल्कि बचत और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। शादी-ब्याह, त्योहार और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर लोग वर्षों तक सोना खरीदते हैं। लेकिन जब अचानक पैसों की जरूरत पड़ती है तो कई परिवारों के सामने सबसे बड़ा सवाल होता है कि क्या अपनी जमा-पूंजी बेच दी जाए या कोई दूसरा रास्ता अपनाया जाए। वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी परिस्थितियों में सोना बेचने के बजाय उसके बदले गोल्ड लोन लेना अधिक समझदारी भरा विकल्प हो सकता है। गोल्ड लोन की खास बात यह है कि इसमें आपको अपने आभूषण बेचने की जरूरत नहीं पड़ती। बैंक या वित्तीय संस्थान सोने को गिरवी रखकर उसकी कीमत के आधार पर ऋण उपलब्ध कराते हैं। लोन चुकाने के बाद वही आभूषण सुरक्षित वापस मिल जाते हैं। इस कारण यह विकल्प उन परिवारों के लिए उपयोगी माना जाता है, जिन्हें कम समय के लिए धन की आवश्यकता होती है। जीवन में कई बार ऐसी परिस्थितियां आ जाती हैं, जब अचानक बड़ी रकम की जरूरत पड़ जाती है। किसी परिवार में बीमारी, बच्चों की पढ़ाई, शादी, कारोबार के लिए कार्यशील पूंजी, खेती-किसानी या अन्य आपात स्थिति में तत्काल नकदी की जरूरत महसूस हो सकती है। ऐसे समय में यदि पर्याप्त बचत उपलब्ध न हो, तो लोग अक्सर सोना बेचने का निर्णय लेते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि जरूरत अस्थायी है और कुछ महीनों में पैसा लौटाने की क्षमता है, तो सोना बेचने के बजाय गोल्ड लोन लेना बेहतर विकल्प हो सकता है। इससे परिवार की वर्षों की बचत भी सुरक्षित रहती है और जरूरत का पैसा भी मिल जाता है। गोल्ड लोन की राशि आपके पास मौजूद सोने की शुद्धता और बाजार मूल्य के आधार पर तय की जाती है। आमतौर पर अधिक शुद्ध सोने पर अधिक ऋण मिलने की संभावना रहती है। हालांकि, वित्तीय संस्थान नियामकीय नियमों के अनुसार सोने के मूल्य का एक निश्चित हिस्सा ही ऋण के रूप में देते हैं। लोन स्वीकृत होने की प्रक्रिया भी अपेक्षाकृत तेज होती है। जरूरी दस्तावेज पूरे होने पर कई मामलों में उसी दिन या कुछ घंटों के भीतर राशि खाते में जमा हो सकती है।

सोना बेचने और गिरवी रखने में क्या अंतर है

सोना बेचने पर वह हमेशा के लिए आपके हाथ से निकल जाता है। यदि भविष्य में उसकी कीमत बढ़ती है तो उसका लाभ भी आपको नहीं मिल पाता। दूसरी ओर, गोल्ड लोन में आभूषण आपकी संपत्ति बने रहते हैं। लोन चुकाने के बाद वही आभूषण वापस मिल जाते हैं। यही वजह है कि वित्तीय सलाहकार गोल्ड लोन को अल्पकालिक जरूरतों के लिए उपयोगी मानते हैं, जबकि स्थायी वित्तीय संकट में अन्य विकल्पों पर भी विचार करने की सलाह देते हैं।

लोन लेने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

गोल्ड लोन लेने से पहले ब्याज दर, प्रोसेसिंग शुल्क, भुगतान की अवधि और समय पर किस्त चुकाने की क्षमता का आकलन जरूर करें। अलग-अलग बैंक और वित्तीय संस्थान अलग शर्तों पर ऋण उपलब्ध कराते हैं। इसलिए एक से अधिक संस्थानों की शर्तों की तुलना करना लाभदायक हो सकता है। यह भी समझना जरूरी है कि समय पर लोन का भुगतान नहीं होने पर अतिरिक्त ब्याज या अन्य शुल्क लग सकते हैं। लंबे समय तक भुगतान न होने की स्थिति में गिरवी रखा सोना नीलामी की प्रक्रिया तक पहुंच सकता है।

डिजिटल सुविधाओं से हुई प्रक्रिया आसान

पिछले कुछ वर्षों में गोल्ड लोन की प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक सुविधाजनक हुई है। कई बैंक और वित्तीय संस्थान ऑनलाइन आवेदन, दस्तावेज सत्यापन और लोन से जुड़ी जानकारी डिजिटल माध्यम से उपलब्ध करा रहे हैं। इससे ग्राहकों का समय बचता है और प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनती है।

क्या करें

- आपातकालीन जरूरत होने पर ही गोल्ड लोन लेने का फैसला करें।
- लोन लेने से पहले अलग-अलग बैंक और वित्तीय संस्थानों की ब्याज दर और अन्य शुल्क की तुलना करें।
- केवल उतनी ही राशि का लोन लें, जितनी वास्तव में जरूरी हो।
- लोन की अवधि और किस्तों का भुगतान समय पर करें, ताकि अतिरिक्त ब्याज या जुर्माने से बचा जा सके।
- गिरवी रखने से पहले सोने के आभूषणों का वजन और शुद्धता की जानकारी अपने पास सुरक्षित रखें।
- लोन से जुड़े सभी दस्तावेज और रसीदें संभालकर रखें।

क्या न करें

- गैर-जरूरी खर्च, लग्जरी सामान या छुट्टियां मनाने के लिए गोल्ड लोन न लें।
- केवल जल्दी पैसा मिलने के लालच में बिना शर्तें पढ़े किसी भी संस्था से लोन न लें।
- किस्तों का भुगतान टालने की गलती न करें, इससे ब्याज बढ़ सकता है और सोने की नीलामी का जोखिम भी पैदा हो सकता है।
- जरूरत से ज्यादा लोन लेकर भविष्य पर अनावश्यक वित्तीय बोझ न बढ़ाएं।
- किसी अनधिकृत या अविश्वसनीय संस्था के पास अपने आभूषण गिरवी न रखें।
- लोन की शर्तों, प्रोसेसिंग फीस और अन्य शुल्कों को नजरअंदाज न करें।

रेस्टोरेंट या क्लाउड किचन, किस बिजनेस में है ज्यादा मुनाफा?

बिजनेस डेस्क

भारत का फूड बिजनेस तेजी से बदल रहा है। कुछ साल पहले तक रेस्टोरेंट खोलना ही इस क्षेत्र में सफलता का सबसे बड़ा रास्ता माना जाता था, लेकिन ऑनलाइन फूड डिलीवरी के बढ़ते चलन ने तस्वीर बदल दी है। अब कम लागत में शुरू होने वाले क्लाउड किचन तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। यही वजह है कि नए उद्यमियों के सामने सबसे बड़ा सवाल है कि रेस्टोरेंट खोलें, क्लाउड किचन शुरू करें या दोनों का मिश्रित यानी हाइब्रिड मॉडल अपनाएं। विशेषज्ञों का मानना है कि सही बिजनेस मॉडल का चुनाव केवल लागत के आधार पर नहीं, बल्कि लक्ष्य, बजट, ग्राहकों की पसंद और स्थानीय बाजार की मांग को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

क्या है क्लाउड किचन मॉडल?

क्लाउड किचन ऐसा किचन होता है, जहां केवल खाना तैयार किया जाता है और उसकी बिक्री ऑनलाइन ऑर्डर के माध्यम से होती है। इसमें ग्राहकों के बैठने, सजावट, सर्विस स्टाफ या बड़े शोरूम की जरूरत नहीं होती। ऑर्डर सीधे फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म या खुद के ऐप और वेबसाइट के जरिए ग्राहकों तक पहुंचाए जाते हैं। कम जगह और सीमित कर्मचारियों के कारण इसकी शुरुआती लागत पारंपरिक रेस्टोरेंट की तुलना में काफी कम होती है। यही वजह है कि छोटे निवेश वाले उद्यमी इसे तेजी से अपना रहे हैं।

रेस्टोरेंट की सबसे बड़ी ताकत क्या

रेस्टोरेंट केवल खाना बेचने का माध्यम नहीं, बल्कि ग्राहकों को एक अनुभव भी देता है। परिवार के साथ डिनर, दोस्तों की पार्टी, जन्मदिन का आयोजन या बिजनेस मीटिंग जैसी जरूरतों के लिए लोग आज भी रेस्टोरेंट का रुख करते हैं। यहीं पर ब्रांड की पहचान भी मजबूत होती है। अच्छा माहौल, बेहतर सेवा और स्वाद ग्राहकों को दोबारा आने के लिए प्रेरित करते हैं। इसके अलावा पेय पदार्थ, डेजर्ट और अन्य अतिरिक्त उत्पादों की बिक्री से भी रेस्टोरेंट की आय बढ़ती है।

कम लागत से बढ़त बनाते हैं क्लाउड किचन

क्लाउड किचन का सबसे बड़ा फायदा इसकी कम परिचालन लागत है। महंगे इंटीरियर, बड़े हॉल, अतिरिक्त कर्मचारियों और प्रमुख बाजार में दुकान लेने की जरूरत नहीं होती। इससे किराया, बिजली और रखरखाव का खर्च काफी कम हो जाता है। कम खर्च के कारण यदि बिक्री अच्छी हो तो मुनाफे की संभावना भी बढ़ जाती है। यही वजह है कि कई नए फूड ब्रांड पहले क्लाउड किचन से शुरुआत करते हैं और बाद में रेस्टोरेंट की ओर बढ़ते हैं।

ऑनलाइन डिलीवरी ने खोले नए अवसर

भारत में स्मार्टफोन और इंटरनेट की पहुंच बढ़ने के साथ ऑनलाइन खाना मंगाने का चलन भी तेजी से बढ़ा है। बड़े शहरों के साथ अब छोटे शहरों में भी लोग मोबाइल ऐप के जरिए खाना ऑर्डर कर रहे हैं। इस बदलाव का सबसे बड़ा फायदा क्लाउड किचन को मिला है। बिना अलग-अलग इलाकों में महंगे रेस्टोरेंट खोले भी एक ब्रांड कई क्षेत्रों में ग्राहकों तक पहुंच सकता है। इससे विस्तार आसान और अपेक्षाकृत कम खर्चीला हो जाता है।

हाइब्रिड मॉडल क्यों बन रहा है पसंद

फूड इंडस्ट्री में अब कई बड़े ब्रांड हाइब्रिड मॉडल अपना रहे हैं। इसमें एक या दो प्रमुख स्थानों पर रेस्टोरेंट चलाया जाता है, जबकि शहर के अन्य हिस्सों में क्लाउड किचन के जरिए ऑनलाइन ऑर्डर पूरे किए जाते हैं। इस मॉडल से एक तरफ ग्राहकों के बीच ब्रांड की पहचान मजबूत होती है, वहीं दूसरी ओर कम लागत में अधिक क्षेत्रों तक पहुंच बनाना संभव हो जाता है। यही कारण है कि कई विशेषज्ञ इसे भविष्य का संतुलित बिजनेस मॉडल मानते हैं। किसी भी फूड बिजनेस की सफलता केवल मॉडल पर निर्भर नहीं करती। सबसे पहले स्थानीय बाजार की मांग, प्रतिस्पर्धा, ग्राहकों की पसंद और निवेश क्षमता का आकलन करना जरूरी है।

लंबी अवधि के निवेशकों के लिए बाजार का ठहराव भी बन सकता है सुनहरा अवसर

शेयर बाजार में गिरावट का इंतजार नहीं करें, जारी रखें अपना निवेश

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में निवेश करने वाले ज्यादातर लोग एक ही सवाल पूछते हैं क्या अभी निवेश करें या बड़ी गिरावट का इंतजार करें? यह दुविधा नए निवेशकों में सबसे ज्यादा देखने को मिलती है। कई लोग मानते हैं कि बाजार में तेज गिरावट आने के बाद निवेश करना ही सबसे अच्छा फैसला होता है। हालांकि, बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि केवल क्रैश का इंतजार करना कई बार महंगा साबित हो सकता है। यदि किसी निवेशक का लक्ष्य लंबी अवधि में संपत्ति बनाना है, तो अच्छी कंपनियों में चरणबद्ध तरीके से निवेश शुरू करना अधिक व्यावहारिक रणनीति हो सकती है। शेयर बाजार का सबसे कठिन काम यह तय करना है कि बाजार कब सबसे नीचे पहुंचेगा और कब सबसे ऊपर होगा। वास्तविकता यह है कि कोई भी निवेशक या विशेषज्ञ लगातार यह सटीक अनुमान नहीं लगा सकता। कई बार बाजार बिना किसी बड़ी गिरावट के ही नई ऊंचाइयों पर पहुंच जाता है। ऐसे में जो निवेशक केवल बड़ी गिरावट का इंतजार करते रहते हैं, वे अच्छे अवसर गंवा देते हैं।

ठहरा हुआ बाजार देता है सोचने का मौका

जब बाजार लगातार तेजी में होता है तो निवेशक अक्सर जल्दबाजी में फैसले लेते हैं। इसके विपरीत, जब बाजार सीमित दायरे में कारोबार करता है या कुछ समय तक ठहरा रहता है, तब निवेशकों के पास कंपनियों का मूल्यांकन करने का समय मिलता है। यही वह दौर होता है, जब किसी कंपनी के कारोबार, मुनाफे, कर्ज, प्रबंधन और भविष्य की संभावनाओं का शांत दिमाग से विश्लेषण किया जा सकता है। ऐसे समय में चुने गए मजबूत शेयर लंबी अवधि में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

चरणबद्ध निवेश बेहतर

विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार की दिशा का अनुमान लगाने के बजाय नियमित अंतराल पर निवेश करना ज्यादा प्रभावी रणनीति है। यदि निवेशक हर महीने या तय समय पर अच्छी कंपनियों में निवेश करता है, तो बाजार के उतार-चढ़ाव का औसत प्रभाव कम हो जाता है। यही कारण है कि म्यूचुअल फंड में एसआईपी और शेयरों में नियमित निवेश की रणनीति को लंबे समय के लिए उपयोगी माना जाता है। इससे निवेशक को बाजार के हर स्तर पर खरीदारी का अवसर मिलता है। हर गिरावट निवेश का अवसर नहीं होती। निवेश करने से पहले यह देखना जरूरी है कि कंपनी का कारोबार मजबूत है या नहीं। केवल सस्ती कीमत देखकर शेयर खरीदना सही रणनीति नहीं मानी जाती।

भावनाओं से नहीं, योजना से करें निवेश

शेयर बाजार में सबसे बड़ी चुनौती निवेशक की अपनी भावनाएं होती हैं। तेजी के समय लालच और गिरावट के समय डर अक्सर गलत फैसलों की वजह बनते हैं। कई निवेशक तेजी में ऊंचे भाव पर खरीदते हैं और गिरावट में नुकसान पर बेच देते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश हमेशा पहले से तय योजना के अनुसार होना चाहिए। यदि किसी कंपनी के मूलभूत आधार मजबूत हैं, तो बाजार में अस्थायी गिरावट घबराने का कारण नहीं बननी चाहिए।

अच्छी कंपनियों में चरणबद्ध तरीके से निवेश करना अधिक व्यावहारिक रणनीति

तीन से पांच साल का नजरिया रखिए

यदि निवेश का लक्ष्य कुछ महीनों का है, तो बाजार का उतार-चढ़ाव चिंता का विषय बन सकता है। लेकिन जिन निवेशकों का लक्ष्य तीन से पांच वर्ष या उससे अधिक का है, उनके लिए अल्पकालिक गिरावट का महत्व कम हो जाता है। भारत की अर्थव्यवस्था में बुनियादी ढांचे, विनिर्माण, बैंकिंग, डिजिटल सेवाओं, रक्षा और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में लगातार निवेश बढ़ रहा है। यदि यह रफ्तार बनी रहती है, तो मजबूत कंपनियों को इसका लाभ मिल सकता है।
शेयर बाजार में निवेश हमेशा जोखिम के साथ आता है। कोई भी शेयर या सेक्टर लगातार अच्छा प्रदर्शन करेगा, इसकी गारंटी नहीं होती। इसलिए पूरा पैसा एक ही कंपनी या एक ही सेक्टर में लगाने के बजाय विविधीकरण करना बेहतर माना जाता है।

सही रणनीति अपनाएं

शेयर बाजार में सफलता केवल सही समय का इंतजार करने से नहीं, बल्कि सही रणनीति अपनाने से मिलती है। यदि निवेशक मजबूत कंपनियों का चयन करें, नियमित निवेश बनाए रखें और लंबी अवधि का नजरिया रखें, तो बाजार का मौजूदा ठहराव भी भविष्य की बेहतर कमाई का आधार बन सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार में उतार-चढ़ाव हमेशा रहेगा, लेकिन धैर्य, अनुशासन और सही कंपनियों का चुनाव ही निवेश को सफल बनाता है। इसलिए केवल बड़ी गिरावट का इंतजार करने के बजाय सोच-समझकर और चरणबद्ध तरीके से निवेश की शुरुआत करना अधिक व्यावहारिक कदम माना जा सकता है।

यह करना चाहिए

- निवेश से पहले अपने वित्तीय लक्ष्य और निवेश अवधि तय करें।
- मजबूत बुनियादी स्थिति (फंडामेंटल) वाली कंपनियों में ही निवेश करें।
- एकमुश्त निवेश के बजाय चरणबद्ध तरीके से निवेश करें।
- अलग-अलग सेक्टरों और कंपनियों में निवेश कर पोर्टफोलियो को विविध बनाएं।
- कंपनी के वित्तीय नतीजों, कर्ज, प्रबंधन और भविष्य की संभावनाओं का अध्ययन करें।
- बाजार में गिरावट आने पर घबराने के बजाय अपनी निवेश रणनीति की समीक्षा करें।
- लंबी अवधि का नजरिया रखें और धैर्य बनाए रखें।

यह नहीं करें

- केवल शेयर बाजार में बड़ी गिरावट (क्रैश) का इंतजार करते हुए निवेश टालते न रहें।
- सोशल मीडिया, अफवाहों या बिना रिसर्च के शेयर न खरीदें।
- लालच या डर में आकर बार-बार खरीद-बिक्री न करें।
- पूरा निवेश एक ही शेयर या एक ही सेक्टर में न लगाएं।
- उधार लेकर या आपातकालीन जरूरत के पैसे से शेयर बाजार में निवेश न करें।
- हर दिन के उतार-चढ़ाव को देखकर अपनी लंबी अवधि की रणनीति न बदलें।

-बिना जोखिम समझे केवल पिछले रिटर्न देखकर किसी शेयर में निवेश न करें।

कार्यकारी अभियंता की आठ माह से स्थायी नियुक्त नहीं होने से बढ़ी परेशानी

समय पर वेतन नहीं मिलने पर पीडब्ल्यूडी कर्मियों में भारी रोष

कर्मचारियों ने लंबित मांगों के समाधान की उठाई आवाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन संबंधित हरियाणा संयुक्त कर्मचारी संघ जिला कार्यकारिणी की मीटिंग डिवीजन नंबर 1 के स्टोर रूम में जिला प्रधान चांदीराम कादियान की अध्यक्षता में हुई। मीटिंग में भिवानी जिले में कार्यरत सभी 13 ब्रांचों के पदाधिकारियों ने भाग लिया। मीटिंग में विशेष रूप से पूर्व जिला प्रधान सुरेंद्र कुमार टोनी, प्रांतीय कोषाध्यक्ष श्रीभगवान अहलावत, प्रांतीय उप महासचिव दलबीर श्योराण, संगठन सचिव हरकेश शर्मा, प्रचार सचिव सरजीत खेड़ा, राज्य कार्यालय सचिव राजकुमार सैन, मुख्य सलाहाकार सज्जन भारद्वाज ने शिरकत की। मीटिंग का संचालन जिला सचिव कमलजीत जांगड़ा ने किया।

कर्मचारियों की लम्बित मांगों का वार्तालाप के माध्यम समाधान करें : श्रीभगवान

जिला प्रधान चांदीराम कादियान ने मीटिंग में उपस्थित पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए बताया कि जिला भिवानी जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग डिवीजन नंबर 2 में कार्यकारी अभियंता लगभग 6 से 8 महीने से लगातार स्थायी नियुक्ति नहीं होने के कारण जिस अधिकारी की ड्यूटी होती है वह माह के अंत में या तो लंबी छुट्टी पर चला जाता है या अतिरिक्त कार्यभार होने के कारण आफिस में नहीं मिलते, जिसका खामियाजा कर्मचारियों को भुगतना पड़ता है, जिससे कर्मचारियों का वेतन समय पर नहीं मिलता, जिसकों लेकर कर्मचारियों में भारी रोष है। प्रांतीय कोषाध्यक्ष श्रीभगवान अहलावत व प्रांतीय मुख्य सलाहकार सज्जन भारद्वाज ने संयुक्त रूप से बताया कि पूरे प्रदेश में गत 15 जून से 10 जुलाई तक कर्मचारियों की मांगों का मांगपत्र उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री को भिजवाया गया है। संगठन सरकार व प्रशासन से मांग करता है कि जल्द ही कर्मचारियों की लम्बित मांगों का वार्तालाप के माध्यम समाधान करें। उन्होंने हरियाणा कौशल रोजगार निगम, टर्म एपॉइंटी, मिस्ट्रोल व अन्य सोर्स के तहत लगे कर्मियों को समय पर वेतन देने एवं इनको जॉब सिक्योरिटी गारंटी एवं समान काम समान वेतन देने, टर्म के कर्मचारियों की 23900 वाली फाइल लागू करने, रेगुलर कर्मचारियों की प्रमोशन पर एक इंक्रीमेंट अतिरिक्त देने की मांग शामिल हैं।

भिवानी। हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्करर्ज यूनियन की बैठक को संबोधित करते वक्ता।

भिवानी। भारतीय किसान संघ की बैठक के दौरान मौजूद पदाधिकारी व सदस्य।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर प्रेस प्रवक्ता अमित जांगड़ा, परमजीत मलिक, शहरी ब्रांच से प्रधान विजेंद्र परमार, सुखबीर गुर्जर, मनीष पाराशर, संदीप ग्रेवाल, राजेश बामला, फील्ड ब्रांच से प्रधान आनंद श्योराण, अमित सहरावत, संजय बापोड़ा, अमित काकरान, भूपसिंह, कर्णसिंह लांबा, संदीप गौड़, धर्मवीर जांगड़ा, मनोज नैन, मनदीप, मुकेश व कृष्ण आदि उपस्थित थे।

भाकिसं की बैठक में बिजली-पानी संकट पर गहरा चिंतन, आंदोलन की चेतावनी

भिवानी। भारतीय किसान संघ की महत्वपूर्ण बैठक सिवानी मंडी में हुई। बैठक में क्षेत्र के किसानों की मौजूदा स्थिति, विशेषकर बिजली व पानी की गंभीर समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष दिलबाग सिंह व अजमेर सिंह ने संयुक्त रूप से की। कार्यक्रम को जिला मंत्री जेपी बराला और जिला युवा प्रमुख पवन ने मुख्य रूप से संबोधित किया। बैठक के दौरान संघ के पदाधिकारियों ने वर्तमान स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि किसान बिजली और पानी की किल्लत से बुरी तरह जूझ रहा है। सरकार द्वारा लागू की जा रही नई नीतियां किसान, मजदूर और व्यापारियों के हितों के लिए बेहद घातक साबित हो रही हैं। दक्षिण हरियाणा के साथ हो रहा भेदभाव बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सरकार निजी कंपनियों के हाथों में बिजली सौंपने की तैयारी में है, जो पूरी तरह से गलत है और हम इसका कड़ा विरोध करते हैं, इसके लिए भारतीय किसान संघ युद्ध स्तर पर आंदोलन की तैयारी रखेगा। अगर सरकार ने समय रहते हमारी मांगें नहीं मानी, तो बड़ा आंदोलन शुरू किया जाएगा। बैठक की शुरुआत में संघ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ओमासिंह चौहान के आकस्मिक निधन पर गहरा दुःख जताया। इस अवसर पर मुख्य रूप से रामसिंह, धर्मसिंह, सज्जन धनाना, प्रीतम, उमेदसिंह, रामू, कुलदीप, सुखबीर, मदन, बलवान, सतीश, प्रीता, राजा तालु, मांगेराम सिढाण, रामचन्द्र बवानीखेड़ा, राजेश देवराला, राजकुमार, मदन व रामगोपाल आदि उपस्थित रहे।

रिटायर्ड कर्मियों ने सेक्टर 13 मार्केट के पास लगाए पौधे

भिवानी। त्रिवेणी का रोपण करते पर्यावरण प्रेमी। फोटो : हरिभूमि

- प्रकृति की ओर लौटते हुए जीवन को सार्थक बनाए सेवानिवृत्त कर्मचारी : लोकराम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भागदौड़ भरी जिंदगी और कंक्रीट के जंगलों के बीच पर्यावरण संकट गहराता जा रहा है, वहीं समाज में सकारात्मक बदलाव की नई बयार बह रही है। शनिवार को लाडो त्रिवेणी अभियान के तहत एक अनूठी और प्रेरणादायी पहल देखने को मिली। सेक्टर 13 की मार्केट के समीप विशेष कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ और सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर पौधरोपण किया और धरती को हरा-भरा बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मनोकारपेश के दर्जनों पौधों का पौधरोपण किया। पर्यावरण प्रहरी हवलदार लोकराम नेहरा ने कहा कि नौकरी के दौरान देश और समाजसेवा करने के बाद अब जीवन का पड़ाव प्रकृति मां की सेवा के लिए समर्पित होना चाहिए।

उन्होंने रिटायर्ड कर्मचारियों से अनुरोध किया कि अपनी बची हुई जिंदगी का बड़ा हिस्सा प्रकृति के सान्निध्य में बिताएं। जब हम पौधों को सींचते हैं तो असल में हम अपने जीवन को सुख और शांति से सींच रहे होते हैं, हमारा प्रयास न केवल हमारे बचे हुए जीवन को सुखी, स्वस्थ और तनावमुक्त बनाएगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और शुद्ध पर्यावरण भी सुनिश्चित करेगा। जीवन के तमाम अनुभवों को समेटे बुजुर्गों और वरिष्ठ नागरिकों ने हाथों में पौधे और कुदाल थामी, तो वहां मौजूद हर युवा का सीना गर्व से चौड़ा हो गया। सेक्टर 13 मार्केट के पास विभिन्न प्रकार के छायादार और फलदार पौधे रोपे और उनकी देखभाल करने की जिम्मेदारी भी ली।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर रिटायर अधीक्षक हरिराम, रिटायर एएसआई साधुराम, मास्टर उमेश श्योराण, डॉ. सुरेंद्र राठौर, नितिन सांवरिया, एएसआई कांता नेहरा व रामकली आदि उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

देव प्रतिमा स्थापना कार्यक्रम आज से

चरखी दादरी। लाधान पाना पंचायत की बैठक का आयोजन प्रधान राजेंद्र फोगाट की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में अनेक अहम सामाजिक विषयों पर चर्चा की गई। मुख्य रूप से आगामी दिनों में आयोजित किए जाने वाले धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रम को लेकर चर्चा हुई। प्रधान राजेंद्र फोगाट ने बताया कि लाधान पाना स्थित प्राचीन शिव मंदिर के नवनिर्माण तथा श्रीगणेश, शिव परिवार, संतोषी माता, दुर्गा माता, राधाकृष्ण, सिंदूरी हनुमान, श्याम बाबा आदि देव प्रतिमाओं के स्थापना अवसर पर धार्मिक आयोजन किए जाएंगे। इसके तहत 12 जुलाई को देव प्रतिमाओं की नगर परिक्रमा करवाई जाएगी।

छात्रों ने लिया छोटे परिवार और हरित पर्यावरण का संकल्प

भिवानी। वीर शहीद कैप्टन ओ.पी. दलाल राजकीय उच्च विद्यालय, घुसकानी में विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों को बढ़ती जनसंख्या के दुष्प्रभावों एवं पर्यावरण संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही बच्चों ने छोटे परिवार व हरित पर्यावरण का संकल्प लिया। साथ ही शारीरिक शिक्षक विनोद पींकू ने छात्रों से कहा कि हरित क्रांति तब आ सकती है। जब हर व्यक्ति अपने जन्मदिन पर पौधरोपित करें। कार्यक्रम के दौरान पीटीआई विनोद पिंकू ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बढ़ती जनसंख्या आज विश्व के सामने एक गंभीर चुनौती बन चुकी है।

गांव सांवड़ में निकाली कलश यात्रा

- श्रद्धालुओं ने देव प्रतिमाओं की पूजा की और प्रसाद वितरित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

गांव सांवड़ में नवनिर्मित शिव मंदिर में देव प्रतिमा स्थापना समारोह के पहले दिन शनिवार को भगवान शिव परिवार, श्री बालाजी प्रतिमाओं की ग्राम परिक्रमा कराई गई। इस दौरान देव जयकारों के साथ कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में सैकड़ों महिलाएं शामिल हुई। उन्होंने मंगल गीत गाए। कलश यात्रा के दौरान गांव की हर गली से गुजरते हुए श्रद्धालुओं ने देव प्रतिमाओं की पूजा की और प्रसाद वितरित किया गया। इस मौके पर मा. खुशीराम शर्मा ने बताया कि यह मंदिर बाबा मोधनाथ बाबा बालनाथ डेरे के समीप बाबा माईसुख शर्मा के परिवार द्वारा बनवा कर श्रद्धालुओं को समर्पित किया गया है। यहां सालों पहले एक कुआं और छोटा मंदिर दादी नानटी ने बनवाया था। उन्होंने अपना सारा जीवन भक्ति में बिताया। अब वह मंदिर खंडित हो गया था। जिसे अब बाबा माइसुख शर्मा के परिवार ने दोबारा बनवाया है। यहां रविवार को भगवान शिव परिवार, श्री बालाजी की प्रतिमा स्थापना यज्ञ और भंडारे के साथ पंडित संजय शर्मा कराएंगे। कलश यात्रा के दौरान मा. खुशीराम शर्मा, राजकुमार शर्मा, प्रेमप्रकाश शर्मा, मा. सज्जन पीटीआइ, विनोद शर्मा, वेदप्रकाश शर्मा, अनिल शर्मा, सतबीर शर्मा, सीताराम शर्मा, लालू शर्मा, धर्मबीर शर्मा, आनंद शर्मा, राधेश्याम, ओमप्रकाश शर्मा, सोना शर्मा आदि मौजूद रहे।

चरखीदादरी। कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

पंजाबी जागृति मंच ने लगाई सवामणि

भिवानी। पंजाबी जागृति मंच ने श्रीगीता बिहारी गौशाला में सवामणि लगाई तथा एक ट्रॉली चारा गायों के लिए दिया। मंच द्वारा ऐसे आयोजन पहले भी किए जाते रहे हैं। पंजाबी जागृति मंच के प्रधान एवं रिटायर्ड जिला खेल अधिकारी दर्शन कुमार मिढा ने बताया कि मंच सामाजिक कार्यों में बढ़चढ़ कर भाग लेता है। इसी कड़ी में गौशाला में चारे की ट्राली दी है। मंच समय-समय पर जरूरतमंद बच्चों की फीस व किताबें देकर सहायता करता है तथा मंच द्वारा रिश्तों की फ्री सर्विस कृष्णा कालोनी में चलाई जाती है। गौशाला प्रबंधक दीपक खंडेलवाल ने मंच के पुण्य कार्य के लिए आभार जताया।

इस मौके पर कैलाश चौधरी, जगननाथ गंभीर, घनश्याम सनेजा, राधा कृष्ण चावला, पीएनबी के उपप्रबंधक नरेश चान्दना, विनोद गाबा, भारत भूषण कामरा, मदनलाल कामरा, कृष्ण कुमार हंस, ओमप्रकाश दुरेजा, पुनीत शर्मा, संजय गिरधर, गौसेवक सोहनलाल कालरा, गौरव बजाज आदि उपस्थित रहे।

चरखीदादरी। एचडी स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद शिक्षक व रिसोर्स पर्सन।

एचडी स्कूल में सीबीएसई का लैंगिक समानता पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम

चरखी दादरी। सीबीएसई के तत्वावधान में एचडी पब्लिक स्कूल बिरोहड़ में विद्यालयों में लैंगिक समानता विषय पर एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में झज्जर जिले के अनेक विद्यालयों के शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसका उद्देश्य शिक्षकों में लैंगिक समानता, संवेदनशीलता तथा विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित, समावेशी और सम्मानजनक विद्यालयी वातावरण विकसित करने की समझ को मजबूत करना रहा। कार्यक्रम में सीबीएसई की ओर से नियुक्त रिसोर्स पर्सन सीमा हुड्डा और सीमा सैनी ने गतिविधियों, समूह चर्चाओं, उदाहरणों तथा व्यावहारिक प्रस्तुतियों के माध्यम से जेंडर सेंसिटिविटी के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विद्यालयों में समान अवसर, परस्पर सम्मान, भेदभाव रहित व्यवहार और सकारात्मक शिक्षण वातावरण विकसित करने पर विशेष जोर दिया।

गांव लेघां में स्व. प्रताप सिंह की पुण्यतिथि पर किया पौधरोपण

भिवानी। गांव लेघां भानान के पूर्व सरपंच प्रताप सिंह की पुण्यतिथि पर उनकी धर्मपत्नी मान प्यारी, सूरजमल लेघां व परिजनों ने पौधारोपण किया। पौधा रोपण करते हुए समाजसेवी जितेन्द्र भोलू ने बताया कि उनके पिता स्व. प्रताप सिंह 1962 से 1978 तक लेघां भानान एवं आजाद नगर की संयुक्त पंचायत के सरपंच, डायरेक्टर मार्केट कमेटी भिवानी और मेम्बर ब्लॉक समिति भिवानी तथा सहकारी समिति लेघां के डायरेक्टर के पद पर रहते हुए जनसेवा की। पैसे को जीवन का उदेश्य न मान कर 1962 में पंचायत सेक्रेटरी पद से इस्तीफा दे कर जनसेवा के मार्ग को अपने जीवन का उद्देश्य बनाया था।

श्री गोपाल गोशाला में सांग नौरत्न की प्रस्तुति देख गदगद हुए श्रोता

चरखी दादरी।। गांव रामपुरा स्थित श्री गोपाल गोशाला में संचालित सांग उत्सव के अंतिम दिन आमंत्रित सांगी राजेश थुरानिया एंड पार्टी ने हरियाणवी किस्सा नौरत्न का भावमय मंचन किया। सांग मंडली के कलाकारों ने अपने शानदार मंचन से पात्रों की भूमिका को बखूबी दर्शाया और श्रोताओं का मन मोह लिया। सांग आयोजन में गोशाला महंत गोवर्धन दास का विशेष सानिध्य रहा। गोशाला समिति प्रधान पवन शर्मा उर्फ पंडित लीलूराम, पूर्व सरपंच धर्मबीर शर्मा, गिलाराम, धूप सिंह इत्यादि ने आसपास और दूरदराज से आए हुए श्रोताओं का भी मान सम्मान किया। मंच के माध्यम से उन्हें स्मृति चिह्न भेंट किए गए। कई दान दाताओं ने गो संरक्षण के लिए सहयोग राशि दी। सांग समापन पर गोशाला समिति सदस्यों और सभी श्रोताओं ने सांग प्रस्तुति को सराहा और सांगी राजेश थुरानिया तथा उनकी टीम को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर प्रधान लीलूराम पंडित, पूर्व सरपंच धर्मबीर शर्मा, मदन नरसिंहवास, जयप्रकाश थानेदार धारेडू, महाशय प्रदीप धारेडू, श्री श्याम कमेटी धारेडू के प्रधान रामफल शर्मा, पवन सांजरवासिया, वीरेंद्र शर्मा बौंद, गायक वीरेंद्र रामपुरा, गायक केसरी शर्मा कालूवाला, रोबिन इमलोटा, सरपंच फूलकंवार नवा राजगढ़, दादा लख्मीचंद सेवा समिति बापोड़ा के प्रधान विनोद शर्मा आदि मौजूद रहे।

चरखीददारी। रामपुरा की श्री गोपाल गोशाला में सांग प्रस्तुत करते कलाकार।

न्यूज डायरी

भिवानी में सेवा व संस्कार के नए युग का सूत्रपात

भिवानी। अग्रणी सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सेवाभावी संस्था भारत विकास परिषद का कारवां निरंतर आगे बढ़ते हुए भिवानी नगर में अपनी तीसरी महत्वपूर्ण शाखा के रूप में लाला लाजपत राय शाखा को स्थापित करने में सफल रहा है। नवगठित शाखा की शुरुआत नगर के 45 ऊर्जावान और प्रतिष्ठित नागरिकों की मजबूत सदस्यता के साथ हुई है, जो आने वाले समय में क्षेत्र के भीतर मानवीय मूल्यों के पुनरुत्थान, समाज सेवा और सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करने का दायित्व संभालेंगे। इस विशेष नवगठित शाखा के दायित्व ग्रहण समारोह का आयोजन रोहतक गेट स्थित एक निजी विद्यालय में हुआ।

स्वास्थ्य सेवाओं-विधिक अधिकारों की जानकारी दी

चरखी दादरी। दादरी के जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष के मार्गदर्शन तथा मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी और प्राधिकरण के सचिव के पर्यवेक्षण में शनिवार को विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर प्राधिकरण द्वारा स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से विशेष स्वास्थ्य जांच एवं विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आमजन, विशेषकर महिलाओं एवं किशोरियों को परिवार नियोजन, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, किशोर स्वास्थ्य, एनीमिया की रोकथाम, लैंगिक समानता, उत्तरदायी अभिभावकत्व तथा स्वास्थ्य सेवाओं एवं विधिक अधिकारों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

मानव जीवन परमात्मा की अनुपम भेंट: सुमित्रा

भिवानी। मानव जीवन परमपिता परमात्मा शिव की अनुपम भेंट है, जो स्वयं बिंदू रूप है, मगर गुणों में सिंधु है। हमें अपने जीवन को आध्यात्म में लगाकर परमात्मा के उदेश्य को साकार करना चाहिए, ये बात प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज की शाखा सिद्धिधाम में शाखा प्रमुख राजयोगिनी बीके सुमित्रा बहन ने अपने अलौकिक जन्मदिन पर उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए कही। बीके सुमित्रा बहन ने कहा कि आध्यात्म से ही हमारे मन के विचारों में सकारात्मकता आती है, बल्कि जीवन जीने की कला सहज और सरल भाव से मुनष्य सीख पाता है।

सन्निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड की बैठक 14 को

भिवानी। हरियाणा भवन निर्माण एवं सन्निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड द्वारा 14 जुलाई को पंचकूला स्थित कल्याण बोर्ड कार्यालय में महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है। बैठक में भवन निर्माण श्रमिकों से संबंधित लंबे समय से लंबित मांगों का समाधान करने के लिए केंद्रीय श्रमिक संगठन एआईयूटीयूसी सहित अन्य प्रमुख श्रमिक संगठनों को आमंत्रित किया है। बैठक में मुख्य रूप से एआईयूटीयूसी व भवन निर्माण कारीगर मजदूर यूनियन हरियाणा के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। बैठक को लेकर एआईयूटीयूसी के जिला सचिव कामरेड राजकुमार बासिया ने जारी प्रेस ब्यान में सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं और श्रमिकों के हक के लिए आंदोलन की चेतावनी दी है।

तकनीकी त्रूटि दूर कर बजट जारी करने की मांग

बाढ़ड़ा। उपमंडल के बाढ़ड़ा व झोझू पंचायत समितियों व ग्राम पंचायतों के लिए करोड़ों रुपयों की राशि स्वीकृत होने के बावजूद खातों में नहीं पहुंचने पर पंचायत प्रतिनिधियों ने गहरा रोष प्रकट किया है। उन्होंने इसे विकास में बाधा बताते हुए राशि जारी करने की देरी के मामले की जांच करवाने की मांग की है। कस्बे के बीडीपीओ कार्यालय में सरपंच एसोसिएशन अध्यक्ष कृष्ण सोनी की अध्यक्षता में हुई बैठक में पंचायत प्रतिनिधियों ने विकास योजनाओं के क्रियांवन को लेकर सरकार के सहयोग पर आभार जताया। बैठक में अध्यक्ष कृष्ण सोनी, उपाध्यक्ष अनिल नांधा, कमलेश रमेश काकड़ौली, बजरंग शर्मा, डॉ.ज्योति शर्मा, डॉ. मनोज मांढी, मोनिका लाडावास, एडवोकेट कुलबीर श्योराण आदि मौजूद रहे।

असुरक्षित पारंपरिक टाई के उपयोग पर होगी कार्रवाई

पारंपरिक टाई से जुड़े संभावित खतरों के प्रति जागरूक करें

वर्दी की पुरानी परंपरा या दिखावे के कारण मासूम बच्चों को खतरे में डालना अनुचित: चेयरपर्सन तृप्ति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

खेलकूद व खेल मैदान पर पारंपरिक टाई पहनना पूर्णतः रहेगा प्रतिबंधित

उन्होंने कहा कि जब तक विद्यालय सुरक्षित विकल्पों को पूर्ण रूप से लागू नहीं कर लेते, तब तक खेलकूद, शारीरिक शिक्षा, खेल के मैदान की गतिविधियों या अन्य जोखिमपूर्ण गतिविधियों के दौरान बच्चों के लिए पारंपरिक टाई पहनना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। वहीं विद्यालयों को निर्देश दिए कि वे शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को पारंपरिक टाई से जुड़े संभावित खतरों के प्रति जागरूक करें। हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने हरियाणा विद्यालय शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को पत्र भेजकर एडवाइजरी को राज्य के सभी विद्यालयों तक तत्काल प्रसारित करने एवं प्रभावी अनुपालन को सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है। आयोग की इस पहल के बाद विद्यालयों को अपनी यूनिफॉर्म नीति में आवश्यक बदलाव करने होंगे, जिससे बच्चों के लिए विद्यालयों का वातावरण और अधिक सुरक्षित, संरक्षित एवं भयमुक्त बनाया जा सके।

हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर ऐतिहासिक एवं अत्यंत संवेदनशील निर्णय लिया है। आयोग ने राज्य के सभी सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त, निजी एवं मान्यता प्राप्त विद्यालयों में पारंपरिक स्कूल टाई के अनिवार्य उपयोग को तत्काल समाप्त करने संबंधी आधिकारिक एडवाइजरी जारी की है। आयोग ने स्पष्ट किया कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि हैं, उक्त बात हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की चेयरपर्सन तृप्ति श्योराण ने कही। उन्होंने कहा कि अनुशासन या वर्दी की परंपरा के नाम पर उनके जीवन को किसी भी प्रकार के जोखिम में नहीं डाला जा सकता, ये कदम देश के विभिन्न हिस्सों से सामने आई उन दुःखद एवं दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के बाद उठाया है, जिनमें विद्यालयी बच्चों की खेलकूद एवं दैनिक गतिविधियों के दौरान गले में टाई फंसने से आकस्मिक मृत्यु या गंभीर चोटें आईं। आयोग ने संज्ञान लिया कि खेल के मैदानों में झूलों, दीवारों पर लगे हुक या अन्य वस्तुओं में पारंपरिक टाई उलझने के कारण दम घुटने जैसी जानलेवा घटनाएं सामने आई हैं, जिन्हें उचित सावधानी बरतकर आसानी से रोका जा सकता है। आयोग की चेयरपर्सन तृप्ति श्योराण ने कहा कि जब बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले आधुनिक एवं सुरक्षित विकल्प आसानी से उपलब्ध हैं, तब केवल वर्दी की पुरानी परंपरा या दिखावे के कारण मासूम बच्चों को ऐसे किसी भी टाले जा सकने वाले खतरे में डालना पूरी तरह अनुचित है। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा से जुड़ा प्रत्येक कदम आयोग की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा किसी भी विद्यालय द्वारा बरती गई लापरवाही या ऐसा कोई भी अनावश्यक जोखिम स्वीकार्य नहीं होगा। आयोग ने अपनी एडवाइजरी में पारंपरिक गांठ वाली टाई के स्थान पर सुरक्षित विकल्प अपनाने के निर्देश दिए हैं, जिसके तहत विद्यालय अब पारंपरिक टाई के बजाय क्लिप-ऑन अथवा वेल्क्रो टाई को अपनी वर्दी का हिस्सा बनाएं। ये टाई अचानक खिंचाव की स्थिति में गले से अलग हो जाती हैं।

MAHILA MAHAVIDYALAYA
JHOJHU KALAN (CH. DADRI) *Affiliated to CBLU, Bhiwani*

Vacancies purely on temporary/contractual basis for the session 2026-2027

Applications are invited on the prescribed application form available in the college office on payment of Rs. 500/-.

Teaching Staff : Female Asstt. Professor(s) in the subject of Geography-2, Pol. Sc.-2, History-2, Chemistry-2, Physics-2, Botany-1, Zoology-1, English-1, Hindi-1, Sanskrit-1, Maths-1, Economics-1, Computer Science-1

1. **Qualifications as per CBLU/DGHE Haryana norms.**
2. The post may be increased/decreased as per assessment of workload.
3. The date of interview will be intimated through E-Mail on dated 25-07-2026. No separate interview letter will be issued.
4. No TA/DA shall be admissible for the interview.
5. The last date for submission of application form is 22-07-2026 along with testimonials in the office of the Principal, Mahila Mahavidyalaya, Jhojhu Kalan.

Principal (9416277177) **President (9812940348)**

खबर संक्षेप

मोदी जींद में हरियाणा को देंगे बड़ी सौगात

बाढ़ड़ा। भाजपा नेता मुनीश बडेसरा ने कहा कि आने वाली 17 जुलाई को जींद की पावन भूमि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरियाणा प्रदेश को विशेष सौगात देंगे, ये बात उन्होंने गांव काकडोली हुकमी, काकड़ौली हट्टी, गोपी, लाडावास, डांडमा में जनसमपर्क करते हुए कही। मुनीष ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जींद से सोनीपत के लिए देश कि पहली हाइड्रोजन ट्रेन चलने को हरी झंडी दिखाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी भिवानी के मेडिकल कॉलेज व नारनौल में बनने वाले मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन करेंगे।

पुलिस ने लोगों को नशे के खिलाफ किया जागरूक

चरखी दादरी। जिले को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा चलाए जा रहे जनजागरूकता अभियान के तहत शनिवार को विभिन्न गांवों में ग्रामीणों, युवाओं और महिलाओं को नशे के दुष्प्रभावों तथा इससे जुड़े कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। यह अभियान पुलिस अधीक्षक दादरी लोगेश कुमार के निर्देशन में संचालित किया जा रहा है। अभियान के दौरान एंटी नार्कोटिक सेल के एएसआई राहुल फोगाट, यातायात थाना प्रभारी निरीक्षक विक्रांत सिंह, पुलिस चौकी इमलोटा प्रभारी एएसआई अमित तथा डायल 112 ईआरवी राइडरों की टीमों ने गांव निमली, भागवी, कन्हेटी, सरूपगढ़ और सांतौर में लोगों से संवाद किया।

आईएसआई और हॉलमार्क की दी जानकारी

भिवानी। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) हरियाणा शाखा कार्यालय की ओर से राष्ट्रीय मुहिम शाइन (स्टैंडर्ड्स हेल्प इन्फॉर्म एंड नर्चर एम्पावर्ड विमेन) के तहत शनिवार को कैरू ब्लॉक में शिव महिला कलस्टर फेडरेशन संबंधित स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की महिलाओं के लिए उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन बीआईएस हरियाणा शाखा कार्यालय के रिसोर्स पर्सन डॉ. प्रदीप लौरा ने किया। इस मौके पर डा. प्रदीप लौरा ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित उत्पादों की पहचान के लिए उपभोक्ताओं को आईएसआई मार्क, हॉलमार्किंग तथा बीआईएस की विभिन्न प्रमाणन योजनाओं की जानकारी होना आवश्यक है।

त्रिदिवसीय दिव्य गीता सत्संग को लेकर शहरभर में तेज हुआ जनसंपर्क अभियान, घर-घर पहुंच रहा निमंत्रण

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

आध्यात्मिक जागृति, संस्कारों के संवर्धन और श्रीमद्भगवद्गीता के दिव्य संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से 14 से 16 जुलाई तक आयोजित होने वाले त्रिदिवसीय दिव्य गीता सत्संग को लेकर शहर में व्यापक स्तर पर जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानन्द के पावन सानिध्य में होने वाले इस भव्य आध्यात्मिक आयोजन के प्रति श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। आयोजन को सफल बनाने के लिए कृष्ण कृपा योग्यता परिवार के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता घर-घर पहुंचकर लोगों को सपरिवार सत्संग में शामिल होने का निमंत्रण दे रहे हैं।

गीता के ज्ञान से जागेगा जन-जन का आत्मविश्वास, 14 से 16 जुलाई तक बनेगा आध्यात्मिक चेतना का केंद्र

जनसंपर्क अभियान में गीता सत्संग हेतु श्रद्धालुओं को दिया निमंत्रण

निमंत्रण अभियान के अंतर्गत महम रोड, विद्यानगर, बजरंगबली कॉलोनी सहित अनेक क्षेत्रों में जनसंपर्क किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं को बताया गया कि वर्तमान समय में तनाव, भागदौड़ और भौतिक जीवन के बीच श्रीमद्भगवद्गीता का ज्ञान व्यक्ति को सही दिशा, आत्मबल और सकारात्मक सोच प्रदान करता है। कार्यकर्ताओं ने लोगों से आह्वान किया कि वे अपने परिवार, मित्रों और परिचितों के साथ सत्संग में पहुंचकर आध्यात्मिक वातावरण का लाभ उठाएं। इस अवसर पर श्री कृष्ण कृपा जियो गीता परिवार के जिला अध्यक्ष नरेश आहूजा, संरक्षक आत्म प्रकाश टुटेजा, महासचिव विनोद छाबड़ा, संगठन प्रमुख ओम ढुरेजा, सचिव जेई बिजेश जावला व प्रवक्ता सुरेश सैनी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने क्षेत्रवासियों से संवाद करते हुए गीता के संदेश को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि गीता केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन जीने की श्रेष्ठ कला का मार्गदर्शन करने वाला अमूल्य ज्ञान है।

भिवानी। श्रीमद्भगवद्गीता के दिव्य संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए अभियान चलाते हुए।

गीता सत्संग से संस्कारों का होगा संवर्धन

आज समाज को नैतिक मूल्यों, पारिवारिक संस्कारों और आध्यात्मिक चेतना की पहले से अधिक आवश्यकता है। ऐसे समय में गीता सत्संग केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज में सद्भाव, सेवा, संयम और संस्कारों को मजबूत करने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने सभी धर्मप्रेमी नागरिकों से आग्रह किया कि वे इस त्रिदिवसीय दिव्य आयोजन में सपरिवार उपस्थित होकर गीता के अमृतमय ज्ञान का लाभ उठाएं तथा अपने परिचितों को भी इस आध्यात्मिक महायज्ञ से जोड़ें।

तीन दिवसीय गीता सत्संग 14 जुलाई से

जिला अध्यक्ष नरेश आहूजा ने बताया कि 14 से 16 जुलाई तक प्रतिदिन सायं 6:30 बजे से रात्रि 9:00 बजे तक दिनोद गेट स्थित सूर्या बैंक्वेट हॉल में दिव्य गीता सत्संग का आयोजन किया जाएगा। जिसमे गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानन्द अपने प्रेरणादायी प्रवचनों के माध्यम से श्रीमद्भगवद्गीता के गूढ़ रहस्यों को सरल भाषा में प्रस्तुत करेंगे, जिससे हर आयु वर्ग का व्यक्ति जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का मार्ग प्राप्त कर सकेगा।

मंडी गेट संचालन पर मनमानी का लगाया आरोप

नई अनाज मंडी में मूलभूत सुविधाओं की कमी पर व्यापारियों में रोष

चरखी दादरी। किसान विश्राम गृह में आयोजित बैठक में मौजूद आढ़ती।

बिजली, पेयजल, सफाई और जलभराव समेत मूलभूत सुविधाएं दुरुस्त करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

दादरी की नई अनाज मंडी के आढ़तियों ने शनिवार को स्थानीय विश्राम गृह में बैठक आयोजित की। बैठक में आढ़तियों ने मंडी परिसर में व्याप्त अव्यवस्थाओं और मूलभूत सुविधाओं के अभाव पर नाराजगी जताते हुए प्रशासन से जल्द समाधान की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि नई अनाज मंडी में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता नहीं है। वहीं बार-बार बिजली आपूर्ति बाधित होने से कामकाज में बाधा उत्पन्न हो रही है। इसके अलावा मंडी परिसर में सफाई व्यवस्था भी पूरी तरह से चरमराई हुई है। ज्ञापन में कहा गया कि मंडी परिसर में बेसहारा पशु भी मंडराते रहते हैं। मंडी के गेट खोलने व बंद करने में भी मनमानी की जा रही है। मंडी परिसर के बाहर चिड़िया रोड पर जलभराव के कारण आढ़तियों के साथ-साथ किसानों को भी आवागमन करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

मंडी में बढ़ रही घटनाएं

आढ़तियों ने बताया कि मंडी में बने छह टीन शेडों के नीचे बाहर की गाड़िया खड़ी रहती हैं। जिससे किसानों को फसलों की ढेरी करने में परेशानी उठानी पड़ती है। ज्ञापन में बताया गया कि मंडी में मार्केट कमेटी की ओर से लगवाए गए सीसीटीवी कैमरे खराब होने के कारण मंडी में चोरी की घटनाएं भी बढ़ रही है। बैठक के बाद आढ़तियों ने ई-मेल के माध्यम से ज्ञापन उपायुक्त कार्यालय को प्रेषित किया और समस्याओं के समाधान की मांग की।

मानसून तैयारियों पर डीसी सख्त

- डीसी साहिल गुप्ता ने बरसाती पानी की निकासी प्रबंधों की समीक्षा की

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

मानसून सीजन के मद्देनजर डीसी साहिल गुप्ता ने लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए सभागार में सिंचाई, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी और बिजली निगम के अधिकारियों के साथ बरसाती पानी निकासी/बाढ राहत कार्यों की समीक्षा की। डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे आपसी सामंजस्य के साथ कार्य करें। बारिश के पानी की निकासी निर्बाध रूप से हो। पानी निकास के लिए सभी अधिकारी व कर्मचारी अपनी-अपनी ड्यूटी पर मुस्तैद रहें। कोई भी अधिकारी या कर्मचारी अपनी ड्यूटी में किसी भी प्रकार से कोताही ना बरतें। वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वीसी के माध्यम से प्रदेशभर के उपायुक्तों से संबंधित जिलों में बरसाती पानी निकासी का जायजा लिया और आवश्यक निर्देश दिए। डीसी श्री गुप्ता ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि मानसून का मौसम शुरु हो चुका है। ऐसे में अत्यधिक बारिश होना और उसके साथ जलभराव की स्थिति बनना स्वाभाविक है।

ड्रेन व नालों की सफाई के दिए निर्देश

सिंचाई और जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने अधीन क्षेत्रों में बरसाती पानी निकासी के ड्रेन व नालों की सफाई करना सुनिश्चित करें। वहीं शहर में स्थापित सभी डिस्पोजल व पंपसेट चालू हालात में हों। उन्होंने कहा कि सभी डिस्पोजल में कर्मचारी 24 घंटे तैनात रहें। उन्होंने बिजली निगम अधिकारियों को निर्देश दिए कि बारिश के दौरान डिस्पोजल फीडर पर बिजली निर्बाध रूप से दी जाए। अधिकारी या कर्मचारी अपनी ड्यूटी में लापरवाही ना बरतें। इस दौरान एडीसी दीपक बाबू लाल करवा, एसडीएम महेश कुमार, डीएमसी हरबीर सिंह, सिंचाई विभाग के अधीक्षक अभियंता ओपी बिश्नोई, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षक अभियंता सुनील रंगा और जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी सोमबीर कादयान सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

प्रज्ञा योजना के तहत जरूरतमंद छात्राओं को मिलेगी छात्रवृत्तिः पवन कुमार

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

सर्वोच्च न्यायालय और राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नालसा के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में, हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सहयोग से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने एक बेहद सराहनीय और जनहितैषी पहल की शुरुआत की है। इस विशेष पहल के तहत जिले की अत्यंत जरूरतमंद और संवेदनशील श्रेणियों में आने वाली छात्राओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए प्रज्ञा योजना के अंतर्गत छात्रवृत्ति दी जाएगी।

पात्रता के लिए तय की गईं श्रेणियां

योजना के अंतर्गत भिवानी जिले और इसके उप-मंडलों से निम्नलिखित श्रेणियों में आने वाली छात्राओं की पहचान कर उनके नामों की सिफारिश की जाएगी। ऐसी छात्राएं जिन्होंने अपने माता-पिता दोनों को खो दिया है, ऐसी छात्राएं जिन्होंने अपने परिवार के एकमात्र कमाने वाले अभिभावक को खो दिया है, दिव्यांग (शारीरिक रूप से अक्षम) छात्राएं, ऐसी छात्राएं जिनके माता-पिता उनकी शिक्षा का खर्च उठाने में पूरी तरह असमर्थ हैं, ऐसी छात्राएं जिनके पिता वर्तमान में कारागार में हैं और माता की आय शिक्षा का खर्च उठाने के लिए पर्याप्त नहीं है, जनजातीय समुदाय की ऐसी छात्राएं जिनके माता-पिता की आय इतनी नहीं है कि वे पढ़ाई का खर्च उठा सकें, अत्यंत गंभीर परिस्थितियों या अत्यधिक संकट से गुजर रही अन्य कोई भी समान श्रेणी की छात्रा। यह जानकारी 20 जुलाई 2026 तक भेजी जा सकती है।

सिवाडा स्कूल के खेल मैदान व दीवार के साथ गंदे नाले के निर्माण को लेकर उपायुक्त को भेजा पत्र

बवानीखेड़ा। राजकीय उच्च विद्यालय सिवाडा के खेल मैदान एवं विद्यालय के खेल मैदान के साथ लगती चारदीवारी के साथ गंदे नाले के खुल निर्माण को लेकर स्कूल प्रशासन चिंतित है। विद्यार्थियों व स्टाफ की माने तो खेल मैदान व दिवार के साथ खुला गंदे पानी की निकासी का नाला खतरनाक साबित हो सकता है इसलिए इस पर अंकुश लगाते हुए कहीं अन्य तरीके से इसकी व्यवस्था करनी चाहिए। इस पर शिक्षकों ने भी एतराज जताया है जिससे रोष बढ़ सकता है। शिक्षकों ने बताया कि खुले में बन रहे गंदे पानी की निकासी का नाला किसी खतरे से कम नहीं है। प्रशासन को इस पर विशेष ध्यान देते हुए इस पर रोक लगानी चाहिए ताकि भविष्य में किसी भी अनहोनी से बचा जा सके। वहीं खंड शिक्षा अधिकारी सतेन्द्र सिंह ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में है और इसके बारे विभाग के अधिकारियों व उपायुक्त को पत्र लिखकर मामला संज्ञान में लाने का कार्य किया है। इस बारे में सरपंच प्रतिनिधि बिजेन्द्र ने बताया कि नाले पर डेढ़ बाई डेढ़ का ढक्कन लगाया जाएगा ताकि परेशानी न हो।

पानी की मांग को लेकर जमालपुर में धरना जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭बवानीखेड़ा

सुंदर नहर में पूरा पानी चलवाने के लिये धरना जारी रहा। शनिवार के धरने की अध्यक्षता हरफूल सिंह कदावला बवानी खेडा ने की। धरने को सम्बोधित करते हुये हरफूल सिंह ने कहा कि आज जमना में पुरा पानी होते हुये भी हमारी सुंदर ब्रांच नहर सूखी पड़ी है ओर हमारे इलाके में अभी मानसून आने के बाद भी बारिश नही हुई है। एक मात्र सहारा सुंदर नहर है जो कि अभी तक सुखी पडी है ओर ना नहर व राजवाहो की सफाई हुई है। समय रहते आम जनता की मांग को पुरा करे ओर नही तो जनता के सब्र का इम्तिहान ना ले। नहर के इलाके जनता कई सालो से नहर में पानी ना आने से बहुत परेशान है। इसी कड़ी में कल धरने को समर्थन देने के लिये प्रदीप नरवाल कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव भी पहुंच रहे है। इसलिये जनता से अपील है कि कल ज्यादा से ज्यादा सख्यां मे पहुंचे आज धरने को समर्थन देने कांग्रेस पार्टी के बवानी खेडा के प्रधान अनिल नेहरा पंहुचे ओर धरने को समर्थन देते हुये कहा कि हम आपके साथ हैं ओर सरकार से मांग करते हैं हक का पानी सुंदर में छोडा जाये नही तो इस इलाके की जनता सरकार के खिलाफ एक बडा आंदोलन करने को मजबूर होंगें। आज के धरने में निम्न शामिल हुये।

एसआईआर कार्य में लोहारू विस प्रदेश में अव्वल

- 93.24% प्रपत्र डिजिटाइजेशन के साथ लोहारू विधानसभा क्षेत्र प्रदेश में सबसे आगे
- लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदाता सूचियों का त्रुटिहीन होना जरूरी: डीसी

हरिभूमि न्यूज ⏭लोहारू

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार किए जा रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य में डीसी साहिल गुप्ता द्वारा बनाई गई योजना के अनुसार किया गया कार्य रंग लाया है। परिणाम स्वरूप जिला भिवानी का लोहारू विधानसभा का कार्य प्रदेश में प्रथम पायदान पर है। यहां गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन का कार्य 93.24 प्रतिशत पूरा हो चुका है, जो प्रदेश के अन्य विधानसभा क्षेत्रों से सबसे अधिक है। उल्लेखनीय है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रदेश में एसआईआर कार्य किया जा रहा है, जो 14 जुलाई तक किया जाना है। एसआईआर को लेकर डीसी साहिल गुप्ता द्वारा जिला के चारों सभी विधानसभा क्षेत्रों के निर्चाचक पंजीयन अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए। वहीं जिला में 941 बीएलओ हैं, जिसमें लोहारू विधानसभा में 246, भिवानी विधानसभा में 227, तोशाम में 233 तथा बवानीखेड़ा में 235 बीएलओ हैं। डीसी साहिल गुप्ता द्वारा सभी बीएलओ निर्धारित समयावधि के तहत एसआईआर का कार्य पूरा करने के निर्देश जारी किए गए हैं। यहां हम प्रदेश के आंकड़ों पर नजर डालें तो शुक्रवार तक जिले के कुल 8 लाख 84 हजार 173 मतदाताओं में से 7 लाख 31 हजार 839 मतदाताओं के प्रपत्र ऑनलाइन दर्ज किए जा चुके हैं, जो कुल 82.77 प्रतिशत है। वहीं विधानसभा के अनुसार आंकड़ों में लोहारू विधानसभा में कुल 2 लाख 5 हजार 39 मतदाताओं में से 01 लाख 91 हजार 172 मतदाताओं के प्रपत्र ऑनलाइन दर्ज किए जा चुके हैं, जो कुल 93.24 प्रतिशत है।

लोहारू। बीएलओ से एसआईआर की जानकारी लेते हुए। फोटो: हरिभूमि

बीएलओ का करें सहयोग

डीसी साहिल गुप्ता ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूचियों का गहन पुनरीक्षण कार्य यानि एसआईआर का कार्य किया जा रहा है। नागरिक एसआईआर को लेकर किसी भी प्रकार से भ्रमित ना हों। एसआईआर कार्य में नागरिक बीएलओ का सहयोग करें ताकि मतदाता सूचियों में कोई त्रुटि ना रहे। लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदाता सूचियों का त्रुटिहीन होना जरूरी है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005, 8295157800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

मांग | हरियाणा जागृति मोर्चा ने उठाई कार्रवाई की मांग

जमालपुर के कन्या पाठशाला की हालात दयनीय चारदीवारी न होने से छात्राओं की सुरक्षा खतरे में

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

जमालपुर गांव में स्थित राजकीय कन्या प्राथमिक पाठशाला की हालात आज बद से बदतर हो चुके हैं। स्कूल परिसर में चारदीवारी न होने, चारों तरफ गंदगी, कीचड़ और मलबे के ढेर लगे होने के कारण बेटियों की पढ़ाई और सुरक्षा दोनों खतरे में हैं। हरियाणा जागृति मोर्चा के अध्यक्ष एवं अधिवक्ता राजेश सिंधू तथा संरक्षक एडवोकेट रामकिशन काजल ने आज स्कूल का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि इस स्कूल में गरीब परिवारों की छात्राएं पढ़ती हैं। जिस क्षेत्र में स्कूल बना है वहां भी अधिकांश आबादी आर्थिक रूप से कमजोर व गरीब तबके की है। इस पाठशाला के बारे में कई बार अफसरों के संज्ञान में मामला लाया गया,लेकिन बावजूद स्कूल की तरफ ध्यान नहीं दिया गया।

भिवानी। जमालपुर में पाठशाला के भवन के आगे जमा गंदा पानी। फोटो: हरिभूमि

बार-बार करा चुके अवगत

गंदगी भरे वातावरण, चारदीवारी न होने और मूलभूत सुविधाओं के अभाव में छात्राएं कैसे पढ़ेंगी और अध्यापक कैसे पढ़ाएंगे, यह सोचने का विषय है। इस संबंध में उन्होंने कल खंड शिक्षा अधिकारी से मिलकर स्थिति से अवगत करवाया। खंड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि स्कूल की दयनीय हालात के बारे में सरकार को बार-बार अवगत कराया जा चुका है, लेकिन ग्रांट के अभाव में कोई कार्य नहीं हो पा रहा है। सरकार की तरफ से अब तक ग्रांट मुहैया नहीं करवाई गई है।

खस्ताहाल सड़क की प्रशासन ने ली सुध

बहल। पिलानी बाईपास रोड को दुरुस्त करते हुए। फोटो: हरिभूमि

बहल। कस्बे के राजगढ़ रोड पर पिलानी बाईपास रोड के समीप रोड की खस्ताहाल सड़क की आखिर प्रशासन ने सुध ले ली है। शनिवार को रोड पर बने दलदल को खत्म कर रोड़े डालने का काम शुरू हो गया। दलदल खत्म होने से राहगीरों को आवागमन में आसानी हो गई। शनिवार सुबह से ही लोक निर्माण विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंच गए और रोड की स्थिति का निरीक्षण किया। विभाग के कर्मचारियों की देखरेख में रोड पर पहले यमुना रेती का भराव किया गया और बाद में उस पर रोड़ी डाली गई। रोड का लेवल सही होने से सड़क पर जमा पानी निकल गया और मिट्टी डालने से दलदल मिट गया। आम दिनों की तरह मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालक सुगमता से सफर करते नजर आए और उनको लंबे समय से आ रही परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। गौरतलब है कि पिछले काफी समय से राजगढ़ रोड पर पिलानी बाईपास के समीप काफी दूरी तक सड़क पर पानी जमा हो रहा था। लगातार पानी रुकने से सड़क टूट गई और वहां गहरा दलदल बन गया। आने जाने वाले वाहन चालकों के लिए इस अव्यवस्था से भारी परेशानी हो रही थी।